हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, शुक्रवार 28 जून 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

विद्युत उपभोक्ताओं के लिए जनसमस्या निवारण शिविर 2 जुलाई को

मण्डला। सहायक अभियंता कार्या.अधी.अभि.म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लि. मंडला से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के विद्युत उपभोक्ताओं के बिजली बिल, विद्युत संबंधी अन्य शिकायतों और समस्याओं का निराकरण के लिए वृत्त कार्यालय परिसर राजीव कॉलोनी मण्डला में दिन मंगलवार 2 जुलाई 2024 को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किया जायेगा। आयोजित शिविर में विद्युत उपभोक्ताओं का विद्युत संबंधी शिकायतों का समाधान किया जायेगा। विद्युत उपभोक्ता जन समस्या निवारण शिविर में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का निराकरण करा सकेंगे।

मण्डला से नैनपुर मुख्य मार्ग से भारी वाहनों का आवागमन 2 से 5 बजे तक रहेगा बंद

मण्डला। नगर परिषद बम्हनी क्षेत्र के मुख्य मार्ग मंडला-नैनपुर में बाजार एवं बस स्टैण्ड होने से आम जनता की संख्या अधिक मात्रा में होती है। उक्त मुख्य मार्ग से भारी वाहनों का आवागमन भी होता है, जिससे हमेशा दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। मुख्य मार्ग में भीड़ होने से दुर्घटना की संभावना के दृष्टिगत दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक भारी वाहनों के प्रवेश पर अग्रिम आदेश पर्यन्त रोक लगाने के आदेश अनुविभागीय दण्डाधिकारी मंडला द्वारा दिए गए हैं। जारी आदेश के तहत वनोपज जांच नाका (नैनपुर की ओर), थाना बम्हनी के पहले (मण्डला की ओर) तथा बम्हनी तिराहा की पहले (ग्राम मुगदरा से बम्हनी तिराहा की ओर) वाहन रोकने का स्थान नियत किया गया है।

प्रमोद जायसवाल का निधन

भुआबिछिया। वार्ड नं 04, खेरमाई मोहल्ला बिछिया निवासी प्रमोद जायसवाल का अचानक हृदयाघात होने से बुधवार निधन हो गया था। गुरुवार को दोपहर स्थानीय मुक्ति धाम में उनका अंतिम संस्कार उनके पुत्र उज्जवल जायसवाल ने किया। अंतिम संस्कार में सभी वर्ग के लोग शामिल होकर मृत आत्मा की शांति हेतु मौन धारण कर ईश्वर से प्रार्थना की।

रेत के कारोबार ने नियमों को किया दरकिनार

क्यों जा रही निर्दोषों की जान

*** अवैध उत्खनन पर कैसें लगेगी लगाम।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

रेत का कारोबार जिले में शासन-प्रशासन के लिये चुनौति बना हुआ है रेत उत्खनन का टेंडर हो तो दिक्कत न हो तो भी परेशानी कम नहीं होती। टेंडर होने के बाद जिस तरह से रेत का उत्खनन और परिवहन हो रहा है उसने लोगों की नींद हराम कर रखी है जिस तरह रेत से भरे बड़े वाहन धमाचौकड़ी मचा रहे हैं और जिसके चलते निर्दोषों की जान जा रही है वह चिंता का विषय है। महज कुछ रूपयों के ईनाम के लिये जिस तरह तेज गति से इन वाहनों को चालकों द्वारा चलाया जाता है वही दुर्घटना का कारण बनता है और असमय ही किसी न किसी घर का चिराग बुझ जाता है। पहले भी जिले में यही होता रहा और इसी के चलते तात्कालीन कलेक्टर ने इन बड़े वाहनों से रेत के परिवहन पर पूर्ण रूप से रोक लगा दी थी लेकिन पिछले समय कुछ ऐसा हुआ कि जिले के ही जिम्मेदार अधिकारी ने इन प्रतिबंधों को शिथिल कर दिया और धीरे-धीरे पहले की भांति ये बड़े वाहन रेत भरकर दौड़ लगाने लगे।

कल फिर इसी तरह के एक वाहन ने तिंदनी के समीप एक बाईक सवार को पीछे से इतनी जोरदार टक्कर मारी कि बाईक में सवार दो में से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक अपनी जिंदगी के लिये अस्पताल में संघर्ष कर रहा है। पिछले कुछ दिनों के बीच इस तरह की घटनायें लगातार प्रकाश में आ रही हैं शासन-प्रशासन को इस दिशा में शीघ्र कड़े निर्णय लेने होंगे अन्यथा और भी निर्दोष असमय ही मौत की नींद सो सकते हैं।

मोहनिया पटपरा से लगातार जारी रेत का अवैध उत्खनन

मण्डला-डिण्डौरी मार्ग में ग्राम पंचायत मोहनिया पटपरा से रेत का अवैध उत्खनन पिछले काफी समय से लगातार जारी है विभाग की माने तो यह कोई घोषित रेत खदान नहीं है न ही इसे टेंडर में शामिल किया गया है। बावजूद इसके रोजाना यहां से सैकड़ों वाहन में भरकर रेत उत्खनन और परिवहन की जा रही है। स्थानीय लोगों की माने तो कुछ कतिपय यहां के ठेकेदार हैं जो वाहन चालकों से वसूली कर रहे हैं और रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन करा रहे हैं। अब प्रश्न यह उठता है कि इन कथित ठेकेदारों को इस तरह का अधिकार दिया तो किसने और यदि यह गतिविधि अनैतिक है तो इसे रोकेगा कौन?

ज्ञात हो कि मोहनिया पटपरा के समीप ही लिंगापौड़ी में पुलिस चौकी हाल ही में स्थापित हुई है और अधिकांश रेत से भरे वाहन इसी गांव से होकर गुजरते हैं। गांव के बीच का मार्ग भी काफी सकरा है जहां यात्रि वाहनों की आवाजाही भी लगी रहती है ऐसे में रेत से भरे वाहनों की धमाचौकड़ी से दुर्घटना की आशंका पूरे समय बनी रहती है।

बिना नम्बर का ट्रेक्टर पुलिस ने पकड़ा

बुधवार की शाम इसी तरह एक रेत से भरे बिना नम्बर के ट्रेक्टर को पुलिस पकड़कर चौकी लेकर आई और फिर समझौते की बात ही हो रही थी कि किसी ने परिसर में खड़े ट्रेक्टर का वीडियों बना लिया परिणाम यह हुआ कि मामला पेचीदा होता गया और फिर समझौते की बात कहीं दूर छूट गई अन्यथा रोजाना सैकड़ों वाहनों से परिवहन होती रेत को क्यों नजर अंदाज किया जात रहा।

कलेक्टर ने दस्तक अभियान के शिविर में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया

*** मंडला जिले के समस्त स्वास्थ्य केन्द्रों में दस्तक अभियान जारी।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मंडला जिले के स्वास्थ्य केन्द्रों में दस्तक अभियान जारी है। इस अभियान के तहत बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर बाल्यकालीन बीमारियों की पहचान एवं त्वरित उपचार, रेफरल की सुविधा सुनिश्चित की गई है। दस्तक अभियान का संचालन महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से जारी है। इस अभियान में स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के मैदानी कार्यकर्ता के संयुक्त दल द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने गुरूवार को उप स्वास्थ्य केन्द्र अहमदपुर में आयोजित शिविर में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनकी बाल्यकालीन बीमारियों की पहचान कर उपचार करने के निर्देश दिए। आयोजित शिविर में पहुंचे बच्चे नेहा, कनक, सोनम, शुभम झारिया, लक्षिता, गीतांजली, सतीश, निकिता, असका की सिकलसेल एचबी, वजन, दस्त सहित अन्य बीमारियों की पहचान के संबंध में स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। उन्होंने इस अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग को समन्वय बनाकर काम करने के निर्देश दिए। इस अभियान में अधिक से अधिक लोगों को शामिल कर उनके बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराने को कहा। जिससे बच्चों की बाल्यकालीन बीमारियों का उपचार कर उन्हें स्वस्थ लाभ मिल सके। आयोजित शिविर में उपसंचालक कृषि मधु अली, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. केसी सरौते सहित जिला एवं जनपद स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी मौजूद थे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सिझौरा का भी निरीक्षण किया गया

कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने इसी प्रकार से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सिझौरा का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्र में ओपीडी कक्ष, प्रयोगशाला कक्ष, सरदार वल्लभ भाई पटेल, निःशुल्क औषधि वितरण केन्द्र सहित अन्य कक्षों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्र में पहुंचे मरीजों का बेहतर ढंग से उपचार करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग के अमले को ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कराने को कहा। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में पहुंचे बच्चों का दस्तक अभियान के तहत जांच परीक्षण कराने के निर्देश दिए।

सीईओ जिला पंचायत ने किया मोहगांव क्षेत्र का भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रेयांश कूमट ने मोहगांव क्षेत्र के कौआडोंगरी, सकरी, रयगांव, रमखरिया, गिठार मलपहरी, मोहगांव रैयत आदि ग्रामों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने सीएनजी कार्य, सार्वजनिक कूप, आँगनवाड़ी भवन, जनमन आवास, कूप जीर्णोद्धार, वृक्षारोपण हेतु गड्ढे का खुदाई कार्य, कंटूर ट्रेंच आदि निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए।

श्री कूमट ने निर्देशित किया कि विभागीय अधिकारी लगातार क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए कार्यों को बेहतर गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराएं। पीएम जनमन आवास निर्माण के कार्यों में हितग्राहियों को समुचित मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करें। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों में प्रगति लाएं। साथ ही वृक्षारोपण के लिए किए जा रहे गड्ढों का निरीक्षण करते हुए फलदार पौधे लगाने के निर्देश दिए।

गांधी गेट के पुनर्निर्माण कराए जाने की मांग

*** ब्लॉक कांग्रेस ने सौपा ज्ञापन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/भुआबिछिया

गुरुवार को थाना प्रांगण में थाना प्रभारी बिछिया को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ज्ञापन सौंपकर नगर के हृदय स्थल पर नवीन गांधी द्वार बनाए जाने की प्रशासन से मांग की है। नगर के मुख्य चौराहे में स्थित गांधी गेट जिसे जनपद पंचायत बिछिया द्वारा लगभग 25 वर्ष पूर्व गांधी द्वार चिन्हांकित करते हुए गांधी मेला मार्ग पर निर्माण कराया गया था। विगत दिवस गांधी गेट क्षतिग्रस्त होकर गिर गया है।

ऐतिहासिक गांधी मेला गांधी जी की पुण्यतिथि पर क्षेत्र के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की पहल पर जनपद पंचायत बिछिया द्वारा 50 वर्ष से भी अधिक से आयोजित किया गया। बिछिया में नगर परिषद गठन के बाद उक्त मेला नगर परिषद के द्वारा संचालित किया जा रहा है। ज्ञापन में कांग्रेस ने मांग की है, गांधी गेट का नवीन निमार्ण उसी स्थान पर शीघ्र कराया जाने की मांग की है।

ज्ञापन सौंपते के दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रदीप गोस्वामी, विधायक प्रतिनिधि टेकराम राय, नगर पंचायत उपाध्यक्ष रणधीर रानू राजपूत, दादूलाल जंघेला सुंहर राजपूत, सोनू साहू, टोनी मिश्रा, अमन राजपूत, टीकाराम तुमराली, चुन्नू चौरसिया,अक्षत झारिया समेत कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तकनीक | **नई तकनीक से मिल रहा कृषकों को लाभ।**

पैडी ट्रांसप्लांट विधि के धान का रोपा

*** मजदूरों की कमी से भी मिल रही निजात।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मंडला जिले के किसान धान रोपाई के लिए पैडी ट्रांसप्लांट विधि को अपना कर उन्नत पद्धति से खेती कर रहे हैं। इससे किसानों के उत्पादन में 15 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। ग्राम पंचायत जगनाथर के किसान श्री द्वारका प्रसाद पटेल ने अपने खेत में पैडी ट्रांसप्लांट विधि से खेती करने के लिए धान का रोपा लगाया है। कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने गुरूवार को ग्राम जगनाथर में किसान द्वारका प्रसाद पटेल के खेत में पहुंचकर पैडी ट्रांसप्लांट विधि से लगाए गए धान रोपा का अवलोकन किया। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को इसी पद्धति से खेती करने के लिए प्रेरित करें। इस विधि से खेती कर किसान कम लागत में अधिक फसल तैयार कर मुनाफा कमा सकता है। इससे किसानों को धान फसल का समर्थन मूल्य भी प्राप्त होगा। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को पैडी ट्रांसप्लांट विधि से खेती करने के लिए प्रशिक्षण दें जिससे इस विधि का लाभ अधिक से अधिक किसान उठा सकें। इस विधि से रोपाई करने पर ज्यादा मजदूरों की जरूरत नहीं पड़ती है। रोपाई का काम भी मशीन के माध्यम से जल्द ही पूरा हो जाता है। इससे श्रम और धन दोनों की बचत होती है। किसान द्वारका प्रसाद पटेल ने बताया कि उसने अपने खेत में पैडी ट्रांसप्लांट विधि से खेती करने के लिए हाईब्रिड धान का रोपा लगाया है। इसके बाद वह मशीन के माध्यम से खेतों में रोपाई का काम करेगा। उन्होंने बताया कि धान की रोपाई करने के बाद वह कृषि विभाग के अधिकारियों से मार्गदर्शन लेकर जैविक खाद और दवाईयों का उपयोग करेगा। उन्होंने बताया कि इसके पूर्व वह परंपरागत पद्धति से खेती करता था, परंपरागत पद्धति खेती करने में कम उत्पादन होता था और लागत भी अधिक लगती थी।

ग्राम औरई तालाब में साफ सफाई, वृक्षारोपण किया गया

भुआबिछिया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के द्वारा एवं जनपद पंचायत बिछिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत औरई के तालाब घाट की साफ-सफाई जीर्णोद्धार एवं स्वच्छता कार्य किया गया। अधिकारी कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि एवं जन अभियान परिषद नवांकुर संस्था एवं प्रस्फुटन समिति के सदस्य मेंटर्स, CMCLDP छात्र आदि की उपस्थिति में श्रमदान का कार्यक्रम किया गया। इस दौरान कलेक्टर मण्डला सलोनी सिडाना के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। कीर्ति कुरील वि. ख. समन्वयक म.प्र. जन अभियान परिषद विकासखण्ड बिछिया ने बताया श्रमदान कार्यक्रम सुबह 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक किया गया। उपस्थित लोगों ने जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता अभियान को बनाए रखने के लिए शपथ ली गई।

रक्तदान की जागरूकता के लिए निकली वाहन रैली

*** बड़ी संख्या में शामिल हुए संस्था के सदस्य,लोगों से रक्तदान करने के लिए की अपील।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

28 जून को संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वाधान में 15वां रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा इसके एक दिन पूर्व संस्था के सदस्यों ने सायं काल में वाहन रैली निकाली और शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए आम नागरिकों से रक्तदान करके इस पुनीत कार्य में सहभागिता के लिए आह्वान किया, संस्था का उद्देश्य रहता है कि शिविर में अधिक से अधिक रक्तदान के लिए लोग जुड़े और अधिकतम रक्त यूनिट एकत्रित हो सके,जो कि किसी जरूरत मंद के काम आ सके, इसके लिए सभी लोगों से प्रेम पूर्वक मिलकर इस शिविर में शामिल होकर रक्तदान करने की अपील की गई, वाहन रैली में युवाओं में काफी उत्साह देखा गया, रक्तदान प्रेरणा के लिए विभिन्न स्लोगन तैयार किए गए और लोगों को इस संदर्भ में प्रेरित किया गया, रक्तदान करने के फायदे से अवगत कराया गया, मानवता की सेवा के लिए इस नेक पहल के लिए सहभागिता के लिए आम नागरिकों से आह्वान किया गया।

खबर संक्षेप

यातायात व्यवस्था में नहीं हो रहा सुधार

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि पुलिस द्वारा नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार लाने की बात को लेकर आटो चालकों को आये दिन यातायात संबंधी पाठ पढ़ाते हुए उन्हें नियम से चलाने की बात कहकर नगर के अंदर बिगड़ी हुई यातायात व्यवस्था में काफी हद तक सुधार लाया गया है, मगर अब सवाल यह पैदा हो रहा है कि नगर के अन्य मार्गो की बिगड़ी हुई यातायात व्यवस्था को पुलिस द्वारा नजर अंदाज करना कहा तक उचित समझा जावेगा? क्योंकि यातायात सुधार के नाम पर सिर्फ पुलिस की कार्यवाही बाजार तक ही सीमित रहना जहां चर्चा का विषय बना हुआ है। वही दूसरी ओर नगर के अन्य हिस्सो में बिगड़ी हुई यातायात के चलते आम लोगों को परेशान होते हुए देखा जा रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर के आमगांव नाका राठी तिरहा क्षेत्र की स्थिति तो बाजार से भी दयनीय बनी हुई है, क्योंकि यहां पर वाहन चालक अपने वाहनों को मुख्य मार्ग पर ही खड़ा करते हुए दुकानों के अंदर चाय नास्ता करने के लिए चले जाते है जिसके चलते जाम की स्थिति पैदा होने से लोगों को काफी समय तक खड़े रहकर परेशान होने हुए देखा जा रहा है।

बारिश के दौरान पहुंचना हो जाता है गांव मुश्किल

सिंहपुर छोटा। भले ही केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा हर वर्ष करोड़ो रूपया खर्च करते हुए देश से लेकर प्रदेश व शहरों से लेकर गांवों का विकास कराने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है और आये दिन नेताओं को भी क्षेत्र में विकास की गंगा बहाने की बात कहते हुए सुना जाता है, मगर इसके बाद जब विकास की सच्चाई पर गौर किया जाता है तो संपूर्ण सच्चाई अपने आप ही उजागर होने से नही चूक पाती है, जब ग्रामीणों को कीचड़ के बीच से गुजरकर अपने घरों को जाने के लिए मजबूर होते हुए देखा जाता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले अनेक गांवों की देखने मिल रही है। जहां पर बताया जाता है कि चीचली से चंद कदम दूरी पर स्थित इस प्रकार को पहुंचने के लिए आज भी पक्की सड़क का आभाव होने के कारण जरा सी बारिश के चलते लोगों को अपने गांवों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। क्योंकि क्षेत्र के अनेक गांवों के मार्ग की इस समय जिस प्रकार की स्थिति देखी जा रही है कि उस पर वाहन चलना तो दूर की बात पैदल निकलना भी मुश्किल हो रहा है। इस प्रकार से इन मार्गो पर मची हुई कीचड़ क्षेत्र के विकास की सच्चाई का आईना बताने से नही चूक रही है।

बालश्रम कानून का कागजों पर हो रहा है पालन

सांईखेड़ा। शासन द्वारा बाल मजदूरी रोकने जारी निर्देशो का पालन कराने मे जहां जिला प्रशासन नाकाम हो रहा है वही बाल श्रमिकों के उत्थान हेतु चलाई जा रही योजनाओं का लाभ भी संबंधितों को नही मिल पा रहा है? जबकि पूर्व मे कारखाना अधिनियम 1948, खदान अधिनियम 1952 जहाज अधिनियम 1958, वृक्षारोपण अधिनियम 1961 तथा मोटर परिवहन श्रम अधिनियम के अंतर्गत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी प्रकार के कारखानों एवं खदानों, मोटर यातायात आदि पर काम मे लगाना वर्जित है। वही हर वर्ष एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। मगर आजादी के बाद भी बाल श्रमिकों की किसी भी श्रमिक संगठन को याद नही आई, जिन बच्चों के हाथ मे किताब कापी होना चाहिए उन्हे पेट भरने के लिए कचरा बीनना, सिर पर लकड़ी का गट्ठा ढोना, होटलो मे कम प्लेट धोना आदि नियति बन चुकी है। वही क्षेत्र में देखा जावे तो तमाम बाल श्रमिकों की तादात लगातार बढती जा रही है। इसके बावजूद भी जिले के श्रमिक कार्यालयो में बच्चों के सही आंकड़े तक मौजूद नही है। वही दूसरी ओर गरीबी व अज्ञानता के चलते आज भी क्षेत्र के हजारों बच्चों का स्कूलों से नाता जुड़ नही पाया है, उन्हें दो वक्त की रोटी जुटाने के लिए स्वयं कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। शासन द्वारा जहां साक्षरता का अलख जगाने के लिए गांव गांव मे स्कूल खोले गये है।

लम्बे इंतजार के बाद हुई मानसून की पहली बारिश

तहसील कार्यालय में पानी भरने के कारण सरकारी रिकार्ड के दस्तावेजों को सुरक्षित करते हुये नजर आये कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

चल रहे आषाढ़ माह के दौरान दौरान जिस तरह सूरज की तपन अपना उग्र रूप दिखा रही थी उसके चलते निश्चित ही लोंगों को बैशाख माह जैसा प्रतीत होने से नही चूक रहा था। वही दूसरी ओर बारिश में हो रही देरी के चलते जहां किसान को के चेहरों पर चिंता की लकीरे साफ दिखाई देते हुये जान पड़ रही थी। वही दूसरी मौसम विभाग द्वारा लगातार यह सूचना जारी की जा रही थी कि संपूर्ण प्रदेश में मानसून सक्रिय हो चुका है। मगर गाडरवारा तहसील क्षेत्र में बारिश का दौर शुरू नही होने के कारण लोग जहां गर्मी से हलाकान हो रहे थें और बारिश के शुरू होने का इंतजार करते हुये देखे जा रहे थें। इस तरह बीते हुये गुरूवार को शाम लगभग चार बजे आसमान पर काले बादल छाते हुये जिस तरह मानसून ने अपनी आमद दर्ज कराते हुये जो कोहराम मचाया कि लगभग एक घंटे तक हुई हवा के साथ तेज बारिश का हाल इस तरह देखने मिला की सरकारी कार्यालयों में पानी भरने के कारण जहां कर्मचारी अपने रिकार्ड को सुरक्षित करते हुये नजर आये तो दूसरी ओर हवा के चलते पेड़ गिरने के कारण बिजली व्यवस्था ठप्प होने से नही चूक पाई। वही दूसरी ओर काफी इंतजार के बाद हुई इस बारिश के चलते निश्चित किसानों के चेहरों पर मुस्कान देखने मिल रही है। मगर सीजन की पहली बारिश ने जिस तरह तंडाव मचाया गया है उसके चलते क्षेत्र में एक महिला की मौत हो गई है तो दूसरी ओर एक किशोर के नदी में डूबने की खबर के चलते नगर में शोक का महौल देखने मिल रहा है। वही दूसरी ओर तेज हवा के साथ चले बारिश के दौर के कारण नगर में अनेक जगहों पर पुराने पेड गिरने के कारण बिजली व्यवस्था ठप्प रही। बताया जाता है कि नगर के विद्युत कार्यालय के ठीक सामने मुख्य मार्ग पर वर्षो पुराना पीपल का पेड 33 के व्ही लाईन पर गिर जाने के कारण तार टूटने की स्थिति में नगर की विद्युत व्यवस्था लगभग तीन घंटे तक बंद रहने के कारण लोग परेशान होते हुये देखे गये तो दूसरी ओर नगर की संपूर्ण बिजली व्यवस्था प्रभावित होने के कारण शाम के समय नगर में अनेक जगहों पर जल सप्लाई नही हो पाई। इस

तरह पहली बारिश ने बिजली विभाग की बारिश के पहले लाईनों के रख रखाब की सच्चाई को भी उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। ज्ञात हो कि कुछ दिनों पहले बिजली विभाग द्वारा नगर में अलग अलग दिन बिजली लाईनों के रख रखाब तथा बिजली लाईनों के ऊपर से निकले हुये पेड़ो की कटाई को लेकर बिजली बंद की गई थी। मगर इसे बाद भी यह सच्चाई सामने आना निश्चित तौर से बिजली विभाग द्वारा बारिश के पहले बनाई गई व्यवस्थाओं को आईना दिखाने से नही चूक रहा है..? तहसील कार्यालय में भरा पानी- लम्बे इंतजार के बाद मानसून की पहली बारिश के चलते नगर के तहसील कार्यालय परिसर में इस तरह से पानी भरा की अधिकारियों के कमरो तक पानी पहुंचने के कारण वहां पर रखे हुये शासकीय दस्तावेज असुरक्षित नजर आने लगे जिसके चलते कर्मचारी किसी भी तरह उन दस्तावेजों की सुरक्षा में जुटे हुये नजर आ रहे थे। ज्ञात हो कि पहले से ही यहां पर जल बहाव के उचित प्रबंध नही होने के बाद हाल ही में तहसील कार्यालय के सामने मॉडल रोड का निर्माण होने की स्थिति में तहसील कार्यालय के पास बारिश का पानी निकलने की व्यवस्था नही होने के कारण यह स्थिति निर्मित होते हुये देखा जाने लगा है। वैसे भी देखा जावे तो बारिश की य ह अभी

शुरूआत है जब बारिश का दौर लगातार जारी रहेगा तो क्या हाल बनेगा इसका अनुमान आसानी से लगाया जा सकता है। सांईखेड़ा क्षेत्र में आकाशीय बिजली गिरने से महिला की मौत- गुरूवार की शाम मानसून की बारिश का दौरान जहां संपूर्ण क्षेत्र में देखने मिला। वही दूसरी ओर शाम 4 बजे के लगभग आसमान पर काले बादल छाने के दौरान तेज गरज के साथ हुई एक घंटे की घनघोर बारिश के चलते सांईखेडा क्षेत्र में अपने किसी काम से बाहर गई हुई महिलाओं के ओर आसमानी बिजली गिरने के कारण जहां एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई तथा अन्य दो महिलाये घायल हो गई। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार सांईखेडा निवासी हेमलता पति प्रेम लाल अहिरवार, बैजंती बाई पित खुज्जू अहिरवार तथा केशर बाई पति मुन्ना लाल अहिरवार तीनों महिला ग्राम महुआखेडा हार में लकडी बीनने के लिये गये हुई थी। इस दौरान जब तेज बारिश होने लगी और अचानक तेज गरज के साथ आसमान से गिरी बिजली की चपेट में आने के चलते कैशर बाई पति मुन्ना लाल अहिरवार उम्र लगभग 55 वर्ष की मौके पर ही मोत हो गई तिा हेमलता व वैजंती बाई गंभीर रूप से घायल होने के चलते उनका उपचार सांईखेड़ा स्वास्थ्य केन्द्र में जारी है। चीचली क्षेत्र के छोटा जबलपुर पिकनिक मनाने गया किशोर नदी में डूबा- बताया जाता है कि नगर के विवेकानंद वार्ड निवसी एक दर्जन किशोर जंगल क्षेत्र के छोटा जबलपुर पिकनिक मनाने के लिये गये हुये थें। इस दौरान जब वह वहां की सीतारेवा नदी में नहा रहे थें तो जंगल क्षेत्र में हुई बारिश के चलते नदी में तेज बहाव के साथ आई बाढ़ के चलते यह सभी बच्चे फंस गये जिसमें पांच किशोरो ने तो किसी प्रकार से अपने आपको सुरक्षित करते हुये नदी के ऊपर पहुंच गये। मगर नदी के तेज बहाव के बीच से सागर ठाकुर उम्र लगभग 15 वर्ष निवास सांईधाम कालोनी विवेकानद वार्ड गाडरवारा नही निकल पाया और डूब गया। इस तरह नदी में किशोर के डूबने की खबर मिलते ही जहां वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और डूबे हये किशोर की खोजबीन में जुट गई तथा घटना की चीचली पुलिस को सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। बताया जाता है कि नदी में डूबे हुये किशोर की समाचार लिखे जाने तक खोजबीन जारी थी। मौके पर पहुंचे इन किशोरों के परिजनों का कहना है कि यह सभी बच्चे अपने घर से नर्मदा नहाने जाने की बात बोलकर निकले हुये थें। मगर वह छोटा जबलपुर क्यों आ गये यह समझ से परे है। परिजनों की बात माने जावे तो यह सभी बच्चें अपने परिजनों से झूठ बोलकर ही छोटा जबलपुर गये थें जिसके चलते यह किशोर जहां घटना का शिकार हो गया। वही दूसरी ओर घटना की सच्चाई पर गौर किया जावे तो यहां पर आये दिन इस तरह की घटना घटित होने के बाद भी वन विभाग द्वारा जिस तरह की उदासीनता वरती जा रही है उसका परिणाम है कि इस तरह की घटनाये सामने आने से नही चूक रही है? बताया जाता है कि यह क्षेत्र वन विभाग के अंतर्गत आता है और यहां पर इस तरह की घटनाये आये दिन देखने मिलने के बाद भी वन विभाग द्वारा पावंदी न लगाना निश्चित तौर से वन विभाग की उदासीनता पूर्ण कार्य प्रणाली को उजागर करने से नही चूक रहा है?

नगर परिषद सालीचौका में निर्माण कार्यों की रखी गई आधारिशला

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। कहा जाता है कि जब नगर विकास की यदि स्थानीय जन प्रतिनिधि में सोच रहती है तो उसके कार्य अपने आप दिखाई देने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर परिषद में देखने मिल रही है। जहां पर नगर परिषद के जनप्रतिनिधियों के साथ साथ परिषद के समक्ष अधिकारी द्वारा नगर विकास कराते हुये जो चार चांद लगाने का प्रयास किया जा रहा है उसके चलते नगर सालीचौका की सूरत बदलने से नही चूक रही है। इस तरह नगर परिषद में हो रहे निरंतर विकास कार्यों की श्रृंखला में बीते हुये दिवस वार्ड क्रमांक 04 एवं वार्ड क्रमांक 05 के अंतर्गत सीसी रोड़ और नाले निर्माण कार्यो का भूमिपूजन किया गया। जिन निर्माण कार्यो के लिये आधार शिला रखी गई है उसमें सीसी रोड़ का निर्माण राहुल राय के निवास से रानी अवंतीबाई चौराहा तक किया जाएगा जिसकी लागत 35 लाख रुपए है तथा नाले का निर्माण राहुल राय के निवास से वार्ड क्रमांक 07 तालाब तक किया जाएगा जिसकी लागत 56 लाख रुपए होने के साथ पूर्ण गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य किये जाने की बात कही गई है। इस तरह उक्त भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर परिषद अध्यक्ष राकेश सिलावट,उपाध्यक्ष श्रीमती छोटीबाई/रामनारायण बड़कुर,पार्षद एवं व्यापारी संघ अध्यक्ष जितेंद्र राय, रामदयाल पटेल, राजीव राय, दुर्गाप्रसाद पटेल,पराग तिवारी,पार्षद किरण मेहरा,आरती/गोलू सकवार,हक्के लाल चौधरी, गणेश शर्मा, सूरज राय, गोलू गुप्ता, योगेश पटेल, विकास विश्वकर्मा,जुगल किशोर पाली,भगवान दास पटेल, दुर्गेश सोनी, संतोष राय, नगर परिषद सालीचौका मुख्य नगर पालिका अधिकारी भवानी शंकर शर्मा, उपयंत्री मोहनी कड़पेती के साथ वार्डों के अनेक गणमान्य नागरिक व नगर परिषद के कर्मचारी गण मौजूद थें।

इंजीनियरों के संगे संबंधितयों की दुकानों से सप्लाई हो रही पंचायतों के कार्यो में निर्माण सामग्री की सच्चाई बनी चर्चा का विषय, जांच में स्पष्ट हो सकती है गुणवत्ता की कहानी

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

जिस प्रकार से ग्रामीण विकास की सपना संजोकर केन्द्र से लेकर प्रदेश में बैठी हुई सरकार द्वारा गांवों का विकास करने के लिए मनमानी राशि प्रदान की जा रही है जिसके चलते पंचायतों में लगातार विकास कार्य हो रहे है, मगर उन विकास कार्यो में गुणवत्ता की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक प्रकार की सच्चाई सामने आते हुए देखी जा रही है? क्योंकि पंचातयों द्वारा निर्माण कार्यो के लिए खरीदी जाने वाली निर्माण सामग्री के नाम पर लगाये जा रहे बिलों में देखा जा रहा है कि अनेक बिल उन दुकानों के लगाये जा रहे है जो पंचातयों से जुड़े इंजीनियरों की दुकाने के है या फिर उनके किसी रिस्तेदार की दुकान से संबंधित बताये जाते है? जिसके चलते सही मायने में कहा जावे तो क्षेत्र की जनपद पंचायतों में पदस्थ अनेक इंजीनियरों द्वारा अपनी सरकारी नौकरी की आड़ में खुलेआम दुकानदारी करते हुए देखा जा रहा है? वही दूसरी ओर पंचायतों में लगाये जाने वाली इन बिलों की निष्ठा के साथ जांच की जावे तो निश्चित तौर से वह किसी अधिकारी या फिर पंचायत जनप्रतिनिधियों के रिस्तेदारों की दुकानों के निकलने से नही चूक पायेगे? यह बात अलग है कि उनके द्वारा यह दुकाने अपने किसी परिजन या फिर रिस्तेदार के नाम पर खोल रखी है। मगर उसमें उनकी हिस्सेदार पूर्ण रूप से होने की चर्चाएं आम बात होते हुये सुनाई देने से नही चूक पा रही है? क्योंकि इस क्षेत्र में पदस्थ अनेक इंजीनियरों की स्थिति तो इस प्रकार से देखने मिल रही है कि वह वर्षो से एक ही जगह

नियम विरूद्व तरीके से जमे हुए है और पंचायतों द्वारा किये जा रहे निर्माण कार्य को पास करने के लिए पंचायतों के सरंपचों पर खुद या फिर उनके किसी चहते रिस्तेदार की दुकान से निर्माण सामग्री खरीदने के दबाब बनाये जाने की खबर मिलना आम बात होती जा रही है..? कभी कभी स्थिति तो इस प्रकार से देखने मिलती है कि यदि कोई सरपंच इन इंजीनियरों के कहे मुताबिक दुकानों से निर्माण सामग्री नही खरीदता है तो उसके निर्माण कार्य को गुणवत्ता हीन बताते हुए बिलों के भुगतान को पास करने के नाम पर दिन में तारे दिखाने से नही चूकते है? इस सच्चाई के चलते जिस पंचायत द्वारा इनकी दुकानों से समान खरीदा गया है उस पंचायत का निर्माण कार्य भले ही किसी भी प्रकार से हुआ हो मगर उसको पास करने में यह इंजीनियर देरी नही लगाते है। इतना ही नही इस प्रकार से हो रही गफलतबाजी में अनेक बड़े अधिकारी भी शामिल होने की चर्चा सुनाई दे रही है जिन्हें संपूर्ण जानकारियाँ होने के बाद भी इस बात की जांच करने की हिम्मत नही जुटा पा रहे है कि पंचायतों द्वारा निर्माण सामग्री खरीदी को लेकर जो बिल पेश किये जा रहे है वह दुकान किसकी है और कहा पर स्थित है तथा बिलों के आधार पर दुकानदार के खातों में जो राशि पहुंचाई जाती है उस खाते का वास्तविक मालिक कौन है? इस तरह पंचायतों में विकाय कार्यो को लेकर लगाये जा रहे निर्माण समाग्री के बिलों की यदि निष्ठा पूर्वक जांच कराई जावे तो अनेक प्रकार से चौकाने वाली सच्चाई सामने आने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? क्योंकि क्षेत्र की अनेक पंचायतों द्वारा निर्माण कार्य के लिए खरीदी गई सामग्री के बिलो में उन दुकानों के बिल मिल सकते है जो पंचायत के जन प्रतिनिधियों के रिस्तेदार की है या फिर किसी परिजन की हो सकती है? इतना ही नही मिल रही जानकारियों के अनुसार तो यह तक कहा जा रहा है कि कुछ पंचायतों में तो निर्माण सामग्री खरीदने के नाम पर इस प्रकार की दुकानों के बिल लगाते हुए उनका भुगतान किया गया है जिन दुकानों का धरातल पर कोई आता पता ही नही है सिर्फ दुकानों के नाम पर बिल काटते हुए उनका भुगतान ही हुआ है?

टीव्ही चेनल पर अश्लील विज्ञापन को लेकर नगर के युवक द्वारा की गई शिकायत पर हुआ नोटिस जारी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

ऐसा नही है कि टी व्ही चेनल वाले कुछ भी दिखाते रहे और उनकी मनमानी पर अंकुश न लगे। इस तरह मनमानी किये करने वालों के खिलाफ यदि कोई शिकायत करता है तो कार्यवाही होती है यह बात नगर के समाजसेवी आशीष राय द्वारा उजागर कर दी गई है। इस प्रकार से टी व्ही चैनलों में चलने वाले अश्लील विज्ञापन के विरोध में समाजसेवी आशीष राय ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार को विगत दिवस एक शिकायत की थी। जिसमे हिंदी मूवी चैनल में अश्लील विज्ञापन का प्रसारण ब्रॉड कास्ट नियमावली के विरोध दिखाया जा रहा था। जिस पर सूचना प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार की अपर

सचिव अंकिता ढंडा ने चैनल के निदेशक एवं फिल्म निर्माता को नोटिस तलब किया। जिसके जवाब में निर्माता द्वारा अपनी ओर से खेद प्रगट करते हुए बिना किसी शर्त के अपनी गलती स्वीकार करने के साथ माफ़ी मांगी। एवं चैनल पर भी बकायदा स्टिगर लगाकर सार्वजनिक रूप से माफ़ी दिखाई गई। पूरे मामले को लेकर आशीष राय द्वारा आरोप लगाते हुये बताया है कि गोल्ड माइंस मूवीज चैनल पर प्रसारित किए अश्लील ऐड से जुड़ा हुआ था। चैनल के निदेशक एवं फिल्म निर्माता जो लोकप्रिय क्षेत्रीय फिल्मों को हिंदी में डब करने में माहिर हैं। इनके प्रोडक्शन क्रेडिट में बनी शानदार फिल्म शामिल है। वह दूसरी ओर आशीष राय का कहना है कि उनके द्वारा की गई शिकायत पर भारत सरकार द्वारा जो सख्ती दिखाई गई वह दूसरे चैनलों के लिए चेतावनी के साथ एक बड़ी मिशाल कायम होगी तथा दर्शनों को मनमाने तौर पर परोसी जाने वाली अश्लीलता पर अंकुश लगेगा।

क्षेत्र के जंगलों से लगातार हो रही बांसो की कटाई

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जहां एक ओर लगातार बिगड़ रहे प्रकृति के संतुलन को लेकर सभी लोग परेशान होते हुए देखे जा रहे है और इसी बात को चिंता को लेकर हर साल सरकार द्वारा करोडो रूपया खर्च करते हुए हरियाली महोत्सव का आयोजन करते हुए पौधा रोपण करने के साथ साथ वनों की रक्षा करने के लिए प्रयास किये जा रहे है, मगर इसके बाद भी जिस प्रकार से वनों की अवैध कटाई का क्रम चल रहा है उस पर अंकुश लगाने में शायद वह वन कर्मी असफल हो रहे है जिनके जिम्मे इन वन की रक्षा करने के लिए हर माह सरकार द्वारा पैसा खर्च किया जा रहा है? यदि वनों की रक्षा करने वाले उन वन कर्मियों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो उन्हें निहत्थें होकर वनों की रक्षा करने की जिम्मा सौपे जाने के कारण इस प्रकार से वनमाफियों से वनकर्मी स्वयं ही असुरक्षित महसूस करने के कारण शायद वह वनों की रक्षा करने में सफल नही हो पा रहे है और इसी का परिणाम है कि क्षेत्र के जंगलों में खड़े हुए सागौन सहित बांस व अन्य पेड़ों की कटाई लगातार होने के कारण क्षेत्र के जंगल उजड़ने से नही बच पा रहे है? जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो शासन द्वारा पुलिस विभाग को जिस प्रकार रहवासी क्षेत्र में तैनात रहते हुए सारे साधन उलब्ध कराये जाते है, मगर वनकर्मियों को हथियारों के नाम पर एक डंडा तक उपलब्ध न करना जहां चिंता जनक सत्य है? वही दूसरी ओर इस प्रकार से निहत्थें अधिकारियों से वनों की रक्षा कर पाना असंभव दिखाई देने लगा है? और इसी का परिणाम है कि जिस प्रकार से प्रतिदिन क्षेत्र में सुबह सुबह हरे बांसों को काटकर उनके गट्ठे सहित इमरती लकड़ी को ले जाने वालों को देखने से बनों में हो रही।

खबर संक्षेप

30 जून को विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार आम जन को बेहतर स्वास्थ्य लाभ प्रदाय किये जाने के उद्देश्य से 30 जून 2024 को जिला चिकित्सालय डिण्डौरी में वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में समस्त चिकित्सा विशेषज्ञों के द्वारा जिले के समस्त विकासखण्डों लगभग1000 चिहिन्त रोगियों को निःशुल्क जांच एवं उपचार लाभ प्रदाय किया जावेगा।
शिविर विशेष रूप से - हृदय रोग, शल्य चिकित्सा, कैंसर रोग, मडीसिन स्त्री रोग, चर्म रोग, हड्डी रोग, सिकलसेल, नाक कान गला,उदर रोग आदि जनरल उपचार लाभ प्रदाय किया जावेगा। जिला स्वास्थ्य समितिध्जिला प्रशासन डिण्डौरी द्वारा आम जन से अपील करता है कि उक्त शिविर में अधिक से अधिक पूर्व से चिहिन्त रोगी उपस्थित होकर निःशुल्क उपचार लाभ प्राप्त कर सकते है।

लाभकारी सिद्ध होगी रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। जिले में एक जिला एक उत्पाद के अन्तर्गत कोदो एवं कुटकी चयनित है। श्री अन्न के विस्तृत बेहतर विपणन एवं श्री अन्न को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना प्रारंभ की जा रही है। जिसके अन्तर्गत श्री अन्न प्रोत्साहन कृषक उत्पादक संगठन महासंघ द्वारा एफ.पी.ओ. के माध्यम से कोदो एवं कुटकी का क्रय किया जावेगा। कृषकों को इस वर्ष 20/- प्रति कि०ग्रा० की दर से कोदो एवं 30/- प्रति कि०ग्रा० की दर से कुटकी का भुगतान संबंधित एफ. पी.ओ. के द्वारा किया जावेगा। कृषकों को 10/- प्रति कि०ग्रा० की दर से अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि डी.बी.टी. के माध्यम से भुगतान किया जावेगा। उन्नत प्रमाणित बीजों पर 80 प्रतिशत अनुदान देय होगा। अतः कृषि विभाग द्वारा कृषकों से अपील की गई है कि श्री अन्न फसलों को अधिक से अधिक उपजाऐं एवं योजना का लाभ प्राप्त करें।

जिले में 1.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

अनूपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 1.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर में 6.4, जैतहरी में 5, अमरकंटक में 2.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई। वर्षामापी केन्द्र कोतमा, वेंकटनगर, बिजुरी, पुष्पराजगढ़ तथा बेनीबारी में वर्षा निरंक दर्ज की गई।

रेलवे ओवरब्रिज निर्माण की लेट लतीफी से बढ़ा जनाक्रोश

अनूपपुर। जिला मुख्यालय के दो भागो को जोड़ने वाले रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य कछुए की गति से चल रहा है जिससे जिला मुख्यालय के आधे से अधिक आबादी को बाजार रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड, कोतवाली, संयुक्त कलेक्ट्रेट जैसे आधा सैकड़े से अधिक कार्यालयों में जाने के लिए पांच किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ रहा है वही जिला मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 1 से 8 के नगर वासियों को जिला अस्पताल, एसडीएम कोर्ट और जिला न्यायालय आने के लिए अतिरिक्त पांच किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता है। दूसरी तरफ रेलवे फाटक में बन रहा ओवर ब्रिज है कि पूरा होने का नाम ही नही ले रहा भारतीय रेल और ब्रिज कापोरेंशन द्वारा निमार्णाधीन उक्त ब्रिज के निर्माण में लेट लतीफी से जन आक्रोश बढ़ता जा रहा है। भारतीय गणवर्ता पार्टी के कार्यालय मंत्री संदीप गर्ग के द्वारा बताया गया कि भगवा पार्टी के जिला अध्यक्ष कमलेश द्विवेदी के द्वारा रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण में हो रहे लेट लतीफी लापरवाही को लेकर प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करने हेतु अनूपपुर नगर एवं आसपास ग्रामो के सजग जागरूक नागरिक, व्यापारी, बुद्धिजीवियों, मीडिया साथियों और सभी संजीदा व्यक्तित्व लोगों से अपील की गई है कि शनिवार 29 जून को समय शाम 6 बजे पांडव कालीन सामतपुर मंदिर के तालाब प्रांगण में एक बैठक का आयोजन किया गया है

आवारा पशुओं के आतंक से राहगीर परेशान

नगर के मुख्य मार्गों में आवारा पशुओं का जमघट, दुर्घटना की आशंका

आये दिन हो रहीं दुर्घटनाएं, नपा का हाका दल नदारद

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। जिला मुख्यालय में जिस तरह मवेशियों का जमावड़ा है और आये दिन दुर्घटना घटित हो रही गायो को लेकर आम जन की संवेदना तो रहती है परंतु ऐसे गौ पालक जो अपने मवेशी को खुले में छोड़ देते है उनपर किसी तरह की कार्रवाई नहीं होती। शहर से लेकर गांव तक गौवंश की हत्या करने वालों के विरुद्ध वाट्सऐप ग्रुप में आये दिन आक्रोश देखने को मिल रहा है। प्रदर्शन और ज्ञापन के माध्यम से गौवंश की संरक्षण की बात कही जाती रही है। लेकिन जिले में मवेशियों के लिए चारा उपलब्ध होना मुश्किल हो रहा है। आलाम यह है कि खेती बाड़ी में मशीनों का उपयोग और गौवंश के लिए आसानी से चारा उपलब्ध न होने के कारण ग्रामीण क्षेत्र में भी गौ पालकों की संख्या घटती जा रही है। शासन ने हर ग्राम पंचायत में कुल रकबा का 15 प्रतिशत स्थान गोचर भूमि के सुरक्षित रखा था। जिसपर समय के साथ अतिक्रमण बढ़ता गया और आज 5 प्रतिशत भूमि भी सुरक्षित नहीं है। गौ पालन को बढ़ावा देने के लिए पशुपालन विभाग के माध्यम से विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है। लेकिन जमीनी स्तर पर योजनाओं का लाभ ले पाना छोटे पशुपालकों के लिए आसान नहीं है।

जानवरों को खुला छोड़ रहे पशुपालक

शहरी क्षेत्र में गौवंश की स्थिति अधिक खराब है। जब तक गाय दूध देती है तब तक उसकी देखभाल की जाती है। इसके बाद खुला छोड़ दिया जाता है। बस्ती व कचरा में भोजन तलाश कर गाय बैल अपना पेट भर रहे हैं। शहर के सभी प्रमुख मार्गों पर गायों के झुंड आसानी से देखे जा सकते है। जिससे तेज गति से निकल रहे वाहन कई बार गोवंश से टकरा कर हादसे शिकार हो जाते हैं। शहर में सांडो की संख्या भी अधिक है जो आपस में लड़ाई के दौरान राहगीरों को भी घायल करते हैं। आए दिन ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं। जिन्हे रोकने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम करने की जरूरत है। मवेशियों को सुरक्षित रखने के साथ पशुपालकों को भी जागरूक करना चाहिए।

-गोचर भूमि को सुरक्षित करने की जरूरत

गौ संरक्षण के लिए कार्य करने वाले अनिल पटेल का कहना है

कि जिलेभर में गोचर भूमि दिनोंदिन कम होती जा रही है, लोगों की ओर से अतिक्रमण करने के कारण गोवंश के चरने के लिए अब जगह ही कम बची है। इसका सीधा असर गो संवर्धन पर पड़ रहा है। हालात ऐसे हो चुके हैं कि गायों को गोचर जमीन पर चरना तो दूर अतिक्रमण करने वाले वहां खड़ा तक नहीं रहने देते जिससे गोवंश खाने की फिराक में गांव की सड़कों पर घूम रहे हैं। सड़कों पर गौवंश के कारण हादसों का आंकड़ा भी बढ़ रहा है। हालांकि प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाती है मगर फॉलोअप के अभाव में ज्यादातर गोचर जमीन पर अवैध कब्जा हो चुका है। जिले भर में हजारों हेक्टेयर जमीन पर हुए अवैध अतिक्रमण हटाने में प्रशासन सती बरते तभी गोचर जमीन अतिक्रमण से मुक्त हो सकती है। इसके लिए ज्ञापन देकर प्रशासन से मांग भी की गई है।

इनका कहना है

वर्तमान स्तिथि को देखते हुए जिला कलेक्टर को प्रतिबंधात्मक आदेश जारी करना चाहिए ताकि कोई भी व्यक्ति/संस्था/पशु

मालिक अपने पशुओं को खुले तौर पर सड़को पर ना छोड़े और ना ही सड़को में आने दे।

- अरविंद सोनी (उपाध्यक्ष, जिला अधिवक्ता संघ)

छात्र-छात्राओं हेतु निःशुल्क बस सेवा 1 जुलाई से प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने शासन के निर्देशों के परिपालन में कलेक्टर सभाकक्ष में शासकीय चन्द्रविजय महाविद्यालय डिंडौरी में उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार छात्रों की सुविधाओं को देखते हुए 1 जुलाई से निःशुल्क बस सेवा

उपलब्ध कराने हेतु बैठक आयोजित की। जिसमें महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. तुलसी करचाम ने बताया कि राज्य शासन द्वारा उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत छात्र-छात्राओं हेतु निःशुल्क बस सेवा 1 जुलाई से प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय चंद्रविजय महाविद्यालय डिंडौरी में शासन के निर्देशानुसार दिनांक 01 जुलाई 2024 से जिला स्तर पर बस सुविधा संचालित करने जा रही है। बस संचालन महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति द्वारा किया जायेगा। जिसमें प्रति विद्यार्थी को 30 रूपये देय होगा। बस संचालक विद्यार्थियों को 30 रुपये प्रति महीने शुल्क के साथ मार्ग समनापुर तिराहा-भोंदूटोला चैराहा-ओबीसी छात्रावास मंडला बस स्टैंड कंपनी चैक-कलेक्ट्रेट तिराहा-भारतमाता चैक-जबलपुर स्टैंड-देवरा तिराहा-जबलपुर स्टैंड-सुबखार तिराहा-कॉलेज स्टैंड तक छोड़ेगी। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. तुलसी करचाम के निर्देशन में बस संचालन समिति का गठन किया गया है, जिसके नोडल अधिकारी डॉ नरेंद्र राजपूत एवं डॉ. ए. एस. उद्दे, डॉ बिजलेश धुर्वे समिति के सदस्य रहेंगे।

पिछले सालों में अयोग्य अतिथि शिक्षक भर्ती की जांच हेतु टीम गठित

पिछले कई वर्षों से अनेक शिक्षकों के रिश्तेदार बने अतिथि शिक्षक

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। विकास खंड बजाग में मुख्यालय में स्थित शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बजाग सहित अनेक स्कूलों के कक्षा 10वी और 12वी का रिजल्ट बदतर होने की मुख्य वजह क्षेत्र में योग्य शिक्षकों की लापरवाही तथा अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति में योग्यता को आधार ना बनाकर शिक्षकों के रिश्तेदारों को अतिथि शिक्षक के रूप में रखा गया। विद्यार्थियों के भविष्य और पढ़ाई को ध्यान में ना रखकर अनेक शिक्षकों के बेटा बेटी को अतिथि शिक्षक रखा गया है। अतिथि शिक्षक भर्ती में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बजाग और शासकीय कन्या शिक्षा परिसर बजाग, माध्यमिक शाला भुरसी, शासकीय माडल स्कूल बजाग, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बजाग, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चांडा, शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय धुरकुटा, जैसे स्कूलों में योग्यता को ध्यान में ना रखकर विकास खंड में अनेक शिक्षकों के रिश्तेदारों को अतिथि शिक्षक बनाया। इन विद्यालयों के अलावा अनेक माध्यमिक और प्राथमिक स्कूलों में योग्यता को ध्यान में ना रखकर अतिथि शिक्षक भर्ती करने की शंका जाहिर की गई है। इन सभी अनियमितताओं को ध्यान में रखते हुए जनपद पंचायत बजाग में जनपद पंचायत सदस्यों की सामान्य सभा की बैठक हुई जिसमें अतिथि शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया में हुई अनियमितताओं की जांच के लिए प्रस्ताव पास किया गया तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बजाग के द्वारा तीन शिक्षा विभाग के अधिकारियों की समिति गठित की गई है जिसमें बी ई ओ तीरथ परस्ते, ब्रजमोहन भारतीय जनपद पंचायत बजाग तथा ब्रज भान गौतम बी आर सी को जिम्मेदारी सौंपी गई है जिसमें पूरे विकास खंड में अतिथि शिक्षक भर्ती की जांच कर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने आदेशित किया है।

निजी विद्यालय संचालकों की मनमानी पर प्रशासन ने अब कसा शिकंजा

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार एसडीएम डिण्डौरी के जांच प्रतिवेदन एवं जिला समिति के परीक्षण उपरांत म.प्र.निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) नियम 2020 के प्रावधानों का उल्लंघन पाये जाने पर जिले के चार निजी विद्यालय संचालकों के विरूद्ध दो-दो लाख रूपये की शास्ति अधिरोपित की गई है। इन निजी विद्यालयों में मदर टेरेसा सीनियर हायर सेकेण्डरी स्कूल डिंडौरी, सेंट ऐंजिल पब्लिक स्कूल डिंडौरी, जेडीईएस हॉयर सेकेण्ड्री स्कूल जुनवानी और माँ सरस्वती हायर सेकेण्ड्री स्कूल समनापुर शामिल हैं। स्कूलों पर अधिरोपित शास्ति की राशि 07 दिवस के अंदर निर्धारित मद में चालान के माध्यम से जमा करना अनिवार्य होगा। शाला प्रबंधन द्वारा उन पर अधिरोपित राशि नियत समय सीमा में जमा नहीं करने एवं जॉच में पाई गई कमियों/अनियमितताओं कि पूर्ति नहीं करने पर संस्था की मान्यता रद्द करने की कार्यवाही की जाएगी।

ज्ञात है कि अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डिण्डौरी ने प्रतिवेदित किया है कि जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा उक्त स्कूलों के विरुद्ध म.प्र. निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) नियम 2020 के प्रावधानों के तहत जॉच दल के द्वारा विस्तृत जांच की गई और अधिनियम के प्रावधानों के तहत जॉच प्रतिवेदन परीक्षण एवं कार्यवाही हेतु प्राप्त होने पर परीक्षण स्वरूप अधिनियम की कंडिकाओं का पालन स्कूल द्वारा न किया जाकर पृथम दृष्टया अधिनियम का उल्लंघन किया गया है। जॉच टीम द्वारा पाया गया कि इन स्कूलों के द्वारा छात्र-छात्राओं से वसूल की गई फीस पोर्टल पर अपलोड नहीं किया गया है, संस्था द्वारा छात्र-छात्राओं को उनकी सुविधा अनुसार फीस ली गई किन्तु निर्धारित फीस का उल्लेख नहीं पाया जाना, गणवेश का निर्धारण कितने वर्षों के लिये किया जाता है, संस्था की समिति द्वारा किया गया निर्धारण जॉच दल को उपलब्ध नहीं कराया जाना, रोकडबही का संधारण नियमानुसार नहीं पाया जाने तथा क्रय की गई सामग्री का बिल/व्हाउचर जॉच दल को उपलब्ध नहीं कराया जाने के संबंध में जॉच प्रतिवेदन जिला शिक्षा अधिकारी को जॉच दल द्वारा प्रस्तुत किये जाने पर जिला शिक्षा अधिकारी डिण्डौरी द्वारा प्रतिवेदन परीक्षण हेतु अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डिण्डौरी को प्रेषित किया गया।जिला शिक्षा अधिकारी, डिण्डौरी के उक्त पत्र के साथ संलग्न जाँच प्रतिवेदन का प्रारंभिक परीक्षण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डिण्डौरी द्वारा किया गया एवं प्रकरण दर्ज किया जाकर अनावेदक संस्था को नोटिस जारी कर दस्तावेजों सहित जवाब लिया गया। संस्था द्वारा प्रस्तुत जवाब एवं जॉच प्रतिवेदन के तथ्यों के आधार पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डिण्डौरी का जॉच प्रतिवेदन 26 जून 2024 को प्राप्त होने पर मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम-2017 की धारा 7 (1) के तहत फीस एवं अन्य सबंधित विषयों को विनियमित करने के लिये कलेक्टर डिण्डौरी की अध्यक्षता में पूर्व गठित समिति की बैठक आहूत की जाकर एक तीन सदस्यी समीक्षा समिति गठित की गई। जिसमें सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, डिण्डौरी, जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला कोषालय अधिकारी को सम्मिलित किया गया।

आज गुरूवार को उक्त तीन सदस्यी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में इस समिति द्वारा अधिनियम की धारा-9 (1) के अंतर्गत उक्त स्कूलों के विरूद्ध प्राप्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डिण्डौरी के शिकायती प्रतिवेदन पर संज्ञान में लिया जाकर उक्त शिकायत की विस्तृत जॉच हेतु अधिनियम में वर्णित प्रावधानों के तहत सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग डिण्डौरी, जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला कोषालय अधिकारी की इस 03 सदस्यी जॉच समिति द्वारा विस्तृत परीक्षण एवं समीक्षा की गई।

-विद्यालय संचालकों के विरूद्ध 2-2 लाख रूपये की शास्ति अधिरोपित
- अभिभावकों को राशि वापस करने संचालकों को आदेश जारी

जॉच समिति द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डिण्डौरी के जॉच प्रतिवेदन एवं उपलब्ध अन्य दस्तावेजों का परिशीलन पर पाया गया कि उक्त निजी संस्था को नोटिस देने के उपरांत जांच के दौरान स्कूलों द्वारा प्राप्त जवाबदस्तावेज एवं गठित टीम द्वारा की गई जांच के उपरांत पृथक से जांच रिपोर्ट का परिशीलन करने पर पाई गई कमियां के आधार पर निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि उक्त संस्था द्वारा जिला/राज्य सामिति द्वारा प्रस्तावित फीस का परीक्षण और प्रस्ताव पर निर्णय लेने की प्रकिया का नियम का पालन नहीं किया गया। उक्त संस्थाओं द्वारा अलग-अलग सत्रों में पालकों/जिला समिति अथवा अन्य अधिकारियों के समक्ष बगैर प्रस्ताव पारित किए विभिन्न मदवार फीस बढोत्तरी की गई। साथ ही अध्ययनरत छात्र-छात्राओं/पालकों से फीस बसूलने हेतु प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से दबाव बनाते हुए फीस वसूली गई है, जिसकी पुष्टि संबंधित संस्थाओं द्वारा प्रेषित दस्तावेजों से होना पाया गया है।

इस प्रकार निजी संस्थाओं के द्वारा अवैधानिक रूप से फीस बढाते हुए म.प्र. निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम 2017 एवं म.प्र. निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) नियम 2020 की धारा 3 (1) सहपठित नियम 3:2य (चार) का स्पष्ट उल्लंघन किया गया है। म.प्र. निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) नियम 2020 के नियम 4 अनुसार "निजी विद्यालय द्वारा प्रस्तावित फीस संरचना में वृद्धि यदि पिछले शैक्षणिक सत्र की फीस की तुलना में 10 प्रतिशत से अधिक किंतु 15 प्रतिशत या उससे कम है तो जिला समिति से अनुमोदन तथा यदि प्रस्तावित फीस संरचना में वृद्धि यदि पिछले शैक्षणिक सत्र की फीस की तुलना में 15 प्रतिशत से अधिक है तो जिला समिति के माध्यम से राज्य समिति से अनुमोदन कराने का प्रावधान है" जिसका पालन स्कूल प्रबंधन द्वारा नहीं किया गया। जोकि म.प्र.निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) नियम 2020 के नियम 4 (2) एवं (3) के विपरीत है। जारी आदेशानुसार विद्यालय प्रबंधन द्वारा नियम विरुद्ध संग्रहित फीस की गणना कर अतिरिक्त 30 कार्य दिवस में संबंधित छात्र-छात्राओं के पालकों अथवा अभिभावकों को वापस करने के निर्देश दिए गए।

रानी दुर्गावती बलिदान दिवस पर आदिवासी जन प्रतिनिधियों के अपमान को लेकर जयस ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। 24 जून को वैभवशाली गोंडवाना सम्राज्य के वीरांगना महारानी दुर्गावती मरावी के बलिदान दिवस का राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन जबलपुर में किया गया रानी दुर्गावती गोंड समुदाय सहित आदिवासी समुदाय के स्वाभिमान और पहचान का एक एतिहासिक गौरव हैं परंतु इस कार्यक्रम मे आदिवासी जनप्रतिनिधियों इतना तक कि सत्तारूढ़ पार्टी के निर्वाचित प्रतिनिधियों और सरकार के आदिवासी केबिनेट मंत्रियों को भी नजर अंदाज किया गया जिससे आदिवासी समाज आहत है और आदिवासियों के बड़े संगठन जयस में भी आक्रोश है, प्रदेश अध्यक्ष इंद्रपाल मरकाम ने इस अपमान पर माननीय मुख्यमंत्री को समाज से माफी मांगने की मांग हेतु डिंडोरी कलेक्टर के माध्यम से पत्र भेजा है, पत्र में मुख्य रूप से कहा गया कि गोंडवाना की महारानी राष्ट्र ही नहीं विश्व की महान वीरांगनाओं में से एक एवं हमारे पुरखा महारानी दुर्गावती मरावी के बलिदान दिवस पर प्रदेश सरकार द्वारा कार्यक्रम उनके शहीद स्थल पर किया गया, परंतु आदिवासी समुदाय के किसी भी जनप्रतिनिधि को उद्बोधन का मौका तक नहीं दिया गया, जबकि कार्यक्रम में जनजातीय कार्य मंत्री और गोंडवाना के मकड़ाई राजपरिवार के वंशज मान. कुंवर विजय शाह और रानी दुर्गावती जी के कर्म स्थली गढ मंडला से म.प्र.शासन के मंत्री एवं साथ ही समाज के अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। परंतु समाजिक दृष्टि से अपने पुरखो के बलिदान दिवस पर बोलने का अवसर नहीं दिया जाना समाज की घोर उपेक्षा है और सरकार के गैर जिम्मेदाराना रवैये का जीवंत उदाहरण है इतना ही नहीं पूरे कार्यक्रम के प्रचार प्रसार हेतु लगाए गए बैनर पोस्टर में भी किसी आदिवासी जनप्रतिनिधि को स्थान नहीं दिया गया। समाधि स्थल पर हमारे सामाजिक की सम्मानित पूर्व विधायक आदिवासी जिला पंचायत अध्यक्ष को प्रवेश करने से रोका गया । इस अपमान के बाद समाज में रोष व्याप्त है।

जयस प्रदेश अध्यक्ष ने की माफी की मांग, कलेक्टर के माध्यम से प्रेषित किया पत्र

पीएम जनमन योजना के संबंध में संपन्न हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में आज गुरूवार को पीएम जनमन योजना की बैठक आयोजित हुई। उक्त बैठक में जिले के प्रत्येक जनपदों से एक-एक आदर्श ग्राम का चयन किया गया। कलेक्टर ने बताया कि इन सात आदर्श ग्रामों में नुनखान, रामगढ़, पोंड़ी, चाड़ा, खारीडीह, अमठेरा और बहादुर माल सम्मलित हैं। उन्होंने चयनित आदर्श ग्रामों में आवास, बिजली, सडक सम्पर्क, नलजल आपूर्ति, स्वास्थ्य सुविधा, आंगनवाडी केन्द्र, स्कूल आदि बुनियादी सुविधाएं पूरी तरह संतृप्त हो यह सुनिश्चित करें। पीएम जनमन के तहत चयनित आदर्श ग्रामों की निगरानी भारत सरकार में शीर्ष स्तर पर की जा रही है। इन चयनित ग्रामों में विशेषकर पीवीटीजी बस्ती ही चयनित किए गए हैं। कलेक्टर ने बताया कि प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम जनमन) के अंतर्गत चयनित आदर्श ग्रामों में आवश्यक अधोसंरचना की उपलब्धता एवं पीवीटीजी हितग्राहियों के विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित होने की सुखद संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि चयनित आदर्श ग्रामों में प्रत्येक पात्र व्यक्तियों शौचालय, पक्का घर, स्वच्छ पेयजल, सड़क, बिजली,स्कूल एवं स्कूल में संयोजित छात्रावास, युवक युवतियों को व्यावसायिक शिक्षाध कौशल साक्षरता, बहुउद्देशीय केन्द्र एवं चलित चिकित्सीय वाहन, आंगनवाडी- पोषण वाटिका, लोगों के आजीविका में सुधार, दूर संचार सुविधा का प्रसार, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना अंतर्गत निःशुल्क राशन, उज्जवला योजनान्तर्गत एलपीजी कनेक्शन, आयुष्मान कार्ड, गर्भवती महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं प्रधानमंत्री पोषण योजना से लाभान्वित करना, संस्थागत प्रसव की सुविधा, टीकाकरण, स्कूली बच्चों को मध्यान्ह भोजन, प्रत्येक सदस्य को पीएम जनधन योजना से लाभान्वित, सुकन्या समृद्धि योजना आदि शासन की लाभकारी योजनाओं और मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित अधिकारी समन्यपूर्वक कार्य करें। बैठक में पीएम जनमन से संबंधित सभी जिला अधिकारी मौजूद थे।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, शुक्रवार 28 जून 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

सड़क दुर्घटना में व्यक्ति घायल

नरसिंहपुर । बीती शाम परतापुर के पास हुई सड़क दुर्घटना मे एक व्यक्ति गंभीर घायल हो गया । पुलिस ने बताया कि शिवकुमार पिता गिरीश गौड़ उम्र 50 वर्ष निवासी हर्रई परतापुर के पास हुई सड़क दुर्घटना मे घायल हो गया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद जबलुपर रेफर कर दिया ।

मोहर्रर श्री भार्गव को दी विदाई

नरसिंहपुर । गुरूवार को न्यायालय में कार्यरत कोर्ट मोहर्रर बाल मुकुन्द भार्गव को जिला लोक अभियोजन कार्यालय नरसिंहपुर परिवार की ओर से उनके सेवानिवृत्ति पर भावपूर्ण विदाई दी गई। कार्यालय में आयोजित विदाई समारोह में मुख्य रूप से जिला लोक अभियोजन अधिकारी रामकुमार पटेल, सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी इंद्रमणि गुप्ता, श्रीमती सोनाली तिवारी, घनश्याम प्रजापति, आदित्य तिवारी एवं कर्मचारीगण विनय सिंह ठाकुर, अब्दुल गफ्फार खान, प्रदीप गौतम, सौरभ सोनी, बृजनंदन सोनी, दीपचंद, ओम ठाकुर, प्रभांशु दीक्षित एवं समस्त कोर्ट मोहर्रिर आरक्षक राजेश अवस्थी, राहुल साहू, सागर मात्रे, धमेन्द्र झारिया, श्रीमती प्रियंका रजक, श्रीमती प्रेमवती, सुश्री शालिनी मिश्रा, राहुल बिल्थरिया, केवलराम, श्रीमती मंजूला स्वामी ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर बालमुकुन्द भार्गव को विदाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

जिले में अब तक 46 मिमी वर्षा दर्ज

नरसिंहपुर । नरसिंहपुर जिले में एक जून से 27 जून तक की अवधि में औसत रूप से कुल 46 मिमी अर्थात 1.81 इंच वर्षा दर्ज की गयी है। 27 जून की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 4.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील गाडरवारा में 2 मिमी और गोटेगांव में 21 मिमी वर्षा आंकी गई है। अधीक्षक भू- अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 27 जून तक तहसील नरसिंहपुर में 31 मिमी, गाडरवारा में 81 मिमी, गोटेगांव में 86 मिमी, करेली में 7 और तेन्दूखेड़ा में 25 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 191.80 मिमी वर्षा हुई थी। इस अवधि में पिछले वर्ष तहसील नरसिंहपुर में 208 मिमी, गाडरवारा में 245 मिमी, गोटेगांव में 111 मिमी, करेली में 159 मिमी और तेन्दूखेड़ा में 236 मिमी वर्षा हुई थी।

आधार को बैंक खाते से लिंक कराये हितग्राही

नरसिंहपुर । राज्य शासन द्वारा समस्त विभागों को राज्य प्रायोजित डीबीटी योजनाओं में हितग्राहियों की पहचान के लिये मुख्य रूप से आधार का उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों के परिपालन में मंडल द्वारा संचालित समस्त योजनाओं में पारदर्शिता के लिये निर्माण श्रमिक पंजीयन तथा योजनाओं के आवेदन के समय ई-केवायसी तथा योजनाओं अंतर्गत हितलाभ वितरण आधार आधारित भुगतान प्रक्रिया के माध्यम से किए जाने की व्यवस्था प्रारंभ कर दी गई है। उक्त व्यवस्था के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिक हितग्राही की आधार ईकेवायसी कराए जाने के पश्चात ही किसी भी योजना का लाभ प्राप्त किया जा सकेगा। पंजीकृत श्रमिक हितग्राही के बैंक खाते का आधार से लिंक होना अनिवार्य है। हितग्राही का योजना अंतर्गत सहायता राशि का भुगतान पदाभिहित अधिकारी द्वारा ईपीओ जारी कर डिजीटल साईन के पश्चात हितग्राही के आधार लिंक बैंक खाते में ही प्राप्त होगा। अतरू पंजीकृत श्रमिक हितग्राही अपने बैंक खाते को आधार से लिंक करवाया जाना सुनिश्चित करें। यह जानकारी श्रमपदाधिकारी नरसिंहपुर श्रीमती ज्योति पाण्डे दुबे ने दी है।

कमिश्नर ने किया जिला चिकित्सालय का निरीक्षण

सफाई एजेंसी पर जुर्माना लगाने के निर्देश

नरसिंहपुर । गुरूवार को कमिश्नर जबलपुर अभय वर्मा ने जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर श्री वर्मा ने सिविल सर्जन नरसिंहपुर से जिला चिकित्सालय में आने वाले मरीजों, उन्हें भोजन- नाश्ता, यहां प्रतिमाह होने वाले प्रसव, दवाईयों की उपलब्धता, शिशु चिकित्सा, पोषण पुनर्वास केन्द्र आदि के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने इलाज के लिए आये मरीजों एवं उनके परिजनों से भी चर्चा की। परिजनों ने बताया कि जिला चिकित्सालय में उन्हें किसी प्रकार की तकलीफ इलाज के दौरान नहीं हुई। दवाईयां चिकित्सालय में मिल गई।

सफाई एजेंसी पर जुर्माने के निर्देष

कमिश्नर श्री वर्मा ने सिविल सर्जन को मरीजों की तत्काल सोनोग्राफी कराने के निर्देश दिये। उन्होंने एएनसी वार्ड में भर्ती मरीजों से अस्पताल से मिलने वाले भोजन के बारे में तथा लेबर रूम में मरीजों के हुए ऑपरेशन के बारे में तथा चिकित्सकों द्वारा किए जा रहे उपचार की जानकारी ली। अस्पताल भ्रमण के दौरान अस्पताल परिसर में पर्याप्त साफ- सफाई नहीं पाये जाने पर संभागायुक्त श्री वर्मा ने अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए अनुबंधित एजेंसी पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाने के निर्देश दिये। उन्होंने अस्पताल प्रबंधक को साफ- सफाई की नियमित

रूप से सतत मानीटरिंग करने के निर्देश दिये।

पर्याप्त रहे व्यवस्थायें

जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में विषय-विशेषज्ञ चिकित्सकों में कार्यरत चिकित्कों के नाम सहित उपलब्धता की जानकारी ली और कमी होने पर राज्य स्तर पर विषय- विशेषज्ञ चिकित्सकों की पूर्ति के लिए मांग पत्र भेजने के निर्देश दिये। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश बोहरे ने बताया कि शासन स्तर से नियुक्तियां होनी हैं। उन्होंने ब्लड बैंक में ब्लड की ग्रुपवार उपलब्धता की जानकारी ली एवं इमरजेंसी में आने वाले मरीजों के लिए पर्याप्त मात्रा में ब्लड उपलब्ध कराये जाने निर्देश दिये। साथ ही ब्लड डोनेशन कैम्प भी सतत रूप से आयोजित करने के लिए निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश बोहरे, सिविल सर्जन, अन्य अधिकारी, अस्पताल प्रबंधक, जिला कार्यक्रम प्रबंधक और जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर के समस्त अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

ग्लोबल गार्ड कंपनी पर 25 हजार का जुर्माना

श्री वर्मा ने निरिक्षण के दौरान उन्होंने इलाज के लिए आए मरीजों और उनके परिजनों से भी चर्चा की तो परिजनों ने बताया कि अस्पताल में उन्हें किसी प्रकार की समस्या इलाज के दौरान नहीं हुई। दवाईयां भी अस्पताल में ही मिल गईं। कमिश्नर ने सिविल सर्जन को मरीजों की तत्काल सोनोग्राफी कराने के निर्देश दिए हैं। एएनसी वार्ड में भर्ती मरीजों से अस्पताल से मिलने वाले भोजन के बारे में और लेबर रुम में मरीजों के हुए ऑपरेशन के बारे में भी कमिश्नर ने जानकारी ली है। अस्पताल परिसर में पर्याप्त साफ-सफाई नहीं होने पर संभागायुक्त ने अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए अनुबंधित एजेंसी ग्लोबल गार्ड कंपनी जबलुपर पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अस्पताल प्रबंधक को साफ-सफाई की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। ग्लोबल गार्ड कंपनी के जिम्मेदार व्यक्ति हेमंत नायडू को साफ - सफाई ना होने को लेकर अवगत भी कराया गया था लेकिन सुधार ना होने पर कार्रवाई की गई।

कमिश्नर ने ली अधिकारियों की बैठक

नरसिंहपुर । कमिश्नर जबलपुर अभय वर्मा ने गुरूवार को नरसिंहपुर जिले के प्रवास के दौरान कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने विभागों द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं, कार्यक्रमों आदि की विस्तृत समीक्षा की। जिसमें मुख्य रूप से स्वास्थ्य विभाग, पीएचई, जिला पंचायत, शिक्षा, कृषि, विद्युत विभाग एवं खाद्य विभाग आदि सम्मिलित हैं। बैठक में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, जिला पंचायत सीईओ दलीप कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि जिले के डिलेवरी प्वाइंट में पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध हो, एम्बुलेंस, जननी एक्सप्रेस एवं 108 वाहन का बेहतर ढंग से संचालन हो। इसमें मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो, इस बात का विशेष ध्यान रखा जाये। आयुष्मान भारत निरामयम योजना के तहत जिले में लगभग 93 प्रतिशत कार्ड बनाये जा चुके हैं। इन कार्डों की ई- केवायसी का भी कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री जन- मन योजना के अंतर्गत लक्षित कार्ड एवं ई-केवायसी करने का कार्य भी प्रारंभ है। उक्त जानकारी सीएमएचओ डॉ. राकेश बोहरे ने बैठक के दौरान दी। उन्होंने बताया कि जिले में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, टीबी उन्मूलन, पूर्ण टीकाकरण आदि के क्षेत्र में बेहतर कार्य हुआ है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य विश्व पर्यावरण दिवस से लेकर 30 जून तक किये जा रहे हैं। इसके तहत कुयें, तालाबों, नदियों, बावड़ियों आदि की मरम्मत, जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है। साथ ही पौधरोपण भी किया जा रहा है। जिला पंचायत सीईओ दलीप कुमार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय किश्त की जानकारी देते

हुए अब तक पूर्ण हो चुके आवासों के बारे में भी बताया। इसके अलावा जिले में सामुदायिक स्वच्छता परिसर, मध्यान्ह भोजन वितरण, वॉटर शेड एवं मनरेगा के अंतर्गत वर्ष 2024- 25 में कार्य पूर्णता की प्रगति की भी जानकारी बैठक में दी। संभागायुक्त श्री वर्मा ने राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि आरसीएमएस पोर्टल पर राजस्व प्रकरणों के निराकरण में गति लायें राजस्व अधिकारी। इसके अंतर्गत 0 से तीन माह, तीन माह से 6 माह, 6 माह से 12 माह, 12 से दो साल एवं दो से पांच वर्ष की अवधि में लंबित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की। उप संचालक कृषि उमेश कटेहरे ने खरीफ वर्ष में जिले में बोवनी की वर्तमान स्थिति की जानकारी दी। साथ ही जिले में उर्वरक, खाद के भंडारण, उपलब्धता एवं वितरण की भी स्थिति से अवगत कराया। सहायक संचालक गन्ना डॉ. अभिषेक दुबे ने गन्ना कृषकों को गन्ने के भुगतान की जानकारी दी। कमिश्नर श्री वर्मा ने निर्देशित किया कि शेष गन्ना कृषकों का भुगतान भी सुनिश्चित करायें। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत जल जीवन मिशन के तहत नल- जल योजनाओं की स्थिति, जिसमें पूर्ण हो चुकी नल- जल योजनायें, प्रगतिरत एवं अप्रारंभ योजनाओं की जानकारी कमिश्नर श्री वर्मा ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी कार्यपालन यंत्री रंजन सिंह ठाकुर से ली। उन्होंने कहा कि पाईप लाइन बिछाने के दौरान किये गये सड़क खुदाई की गई है।

पुजारी की हत्या को लेकर विप्र महिला मंडल ने सौंपा ज्ञापन

करेली। बीते दिनो थाना क्षेत्र करेली अंतर्गत हुई पुजारी की हत्या को लेकर सर्व ब्राह्मण महिला सभा करेली की पदाधिकारियों एवं महिलाओं द्वारा पुजारी की हत्यारों को शीघ्र पकड़ने एवं शक्त कार्यवाही की मांग करते हुये तहसीलदार एवं नगर निरिक्षक करेली को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया गया। ज्ञापन में

अध्यक्ष श्रीमति भारती पालीवाल, उपाध्यक्ष श्रीमति सुषमा देवलिया, श्रीमति संजना शुक्ला, श्रीमति माया भारद्वाज, श्रीमति विद्या मुदगल, सचिव श्रीमति सुनीता पालीवाल, एवं श्रीमति प्रतिभा तिगनाथ श्रीमति रश्मि पालीवाल, संध्या पाठक श्रीमति ब्रजेश उमा स्वामी श्रीमति सविता दुबे, श्रीमति संध्या दुबे, श्रीमति रामरति, श्रीमति शोभा दीक्षित, श्रीमति रजनी, पूजा, डाली, लेखा शर्मा, श्रीमति शशि प्रभा तिवारी श्रीमति प्रीति मिश्रा सीमा पाठक मीडिया प्रभारी महिला सर्व ब्राम्हण सभा करेली उपस्थित रही।

नैपुण्य वर्ग सम्पन्न, 16 जिलों के लोग हुये शामिल

नरसिंहपुर। गत दिवस एकल अभियान संभाग महाकौशल द्वारा नैपुण्य वर्ग का आयोजन किया गया जिसमे 16 जिलों के दो-दो कार्यकर्ताओं द्वारा भाग लिया गया। सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर आयोजित नैपुण्य वर्ग एकल अभियान द्वारा चलाए जा रहे की विषयों का केंद्र एवं प्रभाव से आए हुए शिक्षकों द्वारा पंचमुखी शिक्षा का प्रशिक्षण दिया गया। प्राथमिक शिक्षा जिसमें प्राथमिक शिक्षा

के सात विषयों के माध्यम से बच्चों को प्राथमिक शिक्षा का ज्ञान कराना, आरोग्य शिक्षा आरोग्य के माध्यम से अपने एवं अपने परिवार की प्राकृतिक चिकित्सा एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा से अपने परिवार के सदस्यों की बीमारियो का निदान करना, ग्राम विकास के माध्यम से ग्राम में जैविक कृषि को अधिक महत्व देना, स्वाभिमान जागरण में जो सरकार द्वारा योजनाएं चल रही हैं उनको ग्रामीण जनों तक पहुंचाना , संस्कार शिक्षा के माध्यम से बच्चों में संस्कार उत्पन्न करना इन सत्रों के माध्यम से सभी आए हुए 16 जिलों के 32 कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया। समापन सत्र में एकल अभियान अंचल नरसिहपुर समिति से कुलदीप सलूजा अंचल अध्यक्ष श्रीमती उजाला नारोलिया अंचल की मां आशुतोष वर्मा अंचल सचिव की उपस्थिति रही।

रेत का उत्खनन प्रतिबंधित

नरसिंहपुर । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने मानसून सत्र की अवधि में 30 जून की मध्य रात्रि से एक अक्टूबर 2024 तक जिले की नदियों से रेत खनन पर रोक लगाई गई है। इस अवधि में जिले की समस्त नदियों स्वीकृत खदानों से खनिज रेत का उत्खनन करना पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। यह प्रतिबंध भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा सस्टेनेबल सेंड माइनिंग मेनेजमेन्ट गाइडलाइन के पालन में लागू किया गया है। इस आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है।

पुलिस कार्रवाई के विरोध में हम्मालों ने की हड़ताल

करेली । गुरूवार को कृषि उपज मंडी में हम्मालों ने अचानक तौल कार्य बन्द करने से विक्रय को रखे खुले माल की चिंता से किसानों में हड़कंप मच गया। हम्मालों का कहना है कि पुलिस ने की बीती रात को उनके कुछ हम्माल साथियों के साथ हुए बर्ताव के लिये आज नियोजित बन्द किया गया है। इसके बाद मंडी प्रशासन, करेली तहसीलदार और थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। तब जाकर मामला शांत हुआ। लगभग 1 घंटे के व्यवधान के बाद फिर से खरीदी कार्य शुरु किया गया। अचानक मंडी में किसानों के माल की खरीदी नहीं होने की सूचना से प्रशासनिक अधिकारी तत्काल कृषि मंडी पहुंच गए और हम्मालों को खरीदी के लिए तौल करने को समझाइश भी दी। लेकिन एक घंटे तक उन्होंने सौदा कार्य प्रभावित रखा। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों, किसानों, पुलिस स्टाफ और मंडी प्रशासन के अधिकारी भी अचानक हड़ताल को बेबुनियाद बताते रहे। जिसमें सिर्फ किसान परेशान हुए। हम्माल संघ के अध्यक्ष हरिशंकर ने बताया कि बरमान चैक पर मंगलवार रात करीब 11 बजे करेली पुलिस स्टाप के कुछ सिपाहियों ने उनके

तीन हिम्माल शंकर काछी सुनील ठाकुर संजय यादव के साथ मारपीट की है जबकि वो तीनों हिम्माल काम पूरा होने के बाद अपने घर जा रहे थे। जबकि वहां अन्य लोग भी मौजूद थे। जिसने पुलिस वालों ने कुछ नहीं कहा। इसलिए हम सभी हिम्माल तुलावटी मजदूरों ने खरीदी कार्य मे तौल नहीं कराने का निर्णय लिया और काम बंद कर दिया। पुलिस थाना प्रभारी सुभाषचंद्र बघेल का कहना था कि तीनों हम्माल शराब के नशे में धुत होकर दो पहिया वाहन को सड़क पर लहरा कर चला रहे थे। प्राथमिक समझाइस के बाद तीनों को अस्पताल ले जाकर मुलायजा भी कराया गया है, जिसमें हैवी एल्कोहल की बात भी स्पष्ट हुई है। उसी आधार पर 185 की कार्रवाई भी की गई थी। किसी के साथ कोई मारपीट नहीं हुई है। यदि हुई है तो हम्मालों को उनके नाम बताकर शिकायत के लिए भी कहा गया है। जिसपर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। किसानों और व्यापारियों का मतमंडी में मौजूद किसानों और अनाज व्यापारियों का कहना था कि यदि हम्मालों को हड़ताल ही करनी थी, तो सुबह से करनी चाहिए थी। पहले सौदा कार्य के लिए किसानों का माल खुलबाकर शेडों में फैलवा दिया और बोली के दौरान माल की तुलाई अचानक बन्द करने का एलान कर दिया। इसके कारण किसान और व्यापारी अनावश्यक रुप से परेशान हुए हैं। ये तरीका पूर्णतया न्यायसंगत नहीं है। जिसमें तुलावटियों हम्मालो ने भीड़ एकत्रित करने के लिए किसान और व्यापारियों को जबरन परेशान किया।

गौकुलम बेविनार में की सहभागिता

नरसिंहपुर । जीसीसीआई द्वारा आयोजित गोकुलम वेबिनार श्रृंखला में, डॉ लीना गुप्ता 26-06-2024, बुधवार को शाम 07रू00 बजे गाय पर्यटन पर प्रस्तुति दी स जीसीसीआई के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप डी गुप्ता ने कहा कि गौकुलम वेबिनार श्रृंखला गाय जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक विकास और गाय अर्थव्यवस्था के अवसरों पर प्रकाश डालती है। पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. वल्लभभाई कथीरिया के मार्गदर्शन में जीसीसीआई द्वारा ष्गाय पर्यटनष विषय की अधिक समझ और उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयास में, डॉ. लीना गुप्ता का वेबिनार आयोजित किया गया। डॉ.

कथीरिया राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के पूर्व अध्यक्ष और जीसीसीआई के संस्थापक हैं। वर्तमान में डॉ. लीना गुप्ता हैबिटैट इकोलॉजिकल ट्रस्ट में प्रबंध निदेशक और मुख्य वरिष्ठ वैज्ञानिक हैं, मध्य प्रदेश में जैव विविधता बोर्ड में तकनीकी विशेषज्ञ कोर समिति की सदस्य हैं, पश्चिमी भारत पारिस्थितिकी तंत्र आकलन, स्वच्छ विकास तंत्र फोरम में मुख्य वरिष्ठ वैज्ञानिक हैं। वह ग्लोबल कॉन्फेडरेशन ऑफ काऊ बेस्ड इंडस्ट्रीज में तकनीकी विशेषज्ञ हैं और ष्काउ टूरिज्मष समिति की अध्यक्षता कर रही हैं। इस वेबिनार में डॉ. लीना गुप्ता द्वारा गौ सांस्कृतिक संरक्षण, जागरूकता, आर्थिक अवसर, पर्यावरणीय स्थिरता, शैक्षिक पहल, सामुदायिक सशक्तिकरण, गौ विद्यालय, गौ फार्मों को गौ पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करना तथा उन्हें आदर्श एवं आदर्श स्व-स्थायी सांस्कृतिक केंद्र बनाना जैसे विभिन्न विषयों पर व्यापक मार्गदर्शन दिया । प्रदेश प्रेस संयोजक प्रेस मीडिया भागीरथ तिवारी नेसंपूर्ण वेबिनार को जीसीसीआई के फेसबुक पेज पर लाइव देखा ।

उपेक्षा का दंश झेल रहे अतिथि शिक्षक

तेंदूखेड़ा

प्रदेश के विभिन्न अंचलों के शासकीय स्कूलों में काफी लंबे समय से अपनी सेवाएं देते चले आ रहे अतिथि शिक्षकों के साथ साथ उपेक्षा पूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है।अल्प वेतन पर ही विगत 15 वर्षों से परिश्रम कर छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए अध्यापन कार्य करा रहे हैं। फिर भी इन अतिथि शिक्षकों को निकाल कर बाहर किया जा रहा है। जिस कारण से बेरोजगार होकर अतिथि रोजगार की तलाश में जुट गये हैं। हमारे प्रतिनिधि को अतिथि शिक्षक संघ के ब्लाक अध्यक्ष राहुल पाठक ने बताया कि हर साल सत्र प्रारंभ होते ही उन्हें नई प्रक्रिया से गुजर कर पुनः आमंत्रित किया जाता है। अनेकों ऐसे स्कूल जिन्हें अतिथि शिक्षक ही चला रहे हैं ।कई स्कूलों में नियमित शिक्षक अतिथि शिक्षकों के भरोसे स्कूल को छोड़कर चले जाते हैं। इन अतिथि शिक्षक को शासन प्रशासन कब खत्म कर दे यह नहीं कह सकते। विगत वर्षों में अतिथि शिक्षक संगठनों ने अतिथि शिक्षकों के नियमितीकरण के लिए प्रयास भी किये गये किंतु सरकार एवं प्रशासन में बैठे उच्चाधिकारियों के कानों में जूं भी नहीं रेंगी। फिर भी संगठन ने हार नहीं मानी और ज्ञापन के माध्यम से मुलाकात करके छोटे-बड़े जन प्रतिनिधियों से मिलकर मंत्रियों से भेंट कर अपनी बात रखी । लेकिन कोई उचित निष्कर्ष नहीं निकला। आज अतिथि शिक्षक दो वक्त की रोटी को तरसते रहें हैं। जांबाज अतिथि शिक्षक एवं उनके संगठन हतोत्साहित नहीं हुए , बल्कि अपनी मांग और तेज कर दी जिसका नतीजा यह हुआ कि तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने अतिथि शिक्षकों की महापंचायत बुलाकर घोषणा की थी उसमें अतिथि शिक्षकों में प्रसन्नता की लहर दौड़ गई थी । यह प्रसन्नता भी ज्यादा दिन नहीं चल सकी। विधानसभा चुनाव उपरांत मुख्यमंत्री बदल गए समीकरण बदल गए अतिथि शिक्षक फिर छले गए शासन प्रशासन के बीच इनका नियमितीकारण का मुद्दा फुटबॉल बन गया। और परिहास का विषय भी। विधानसभा चुनाव के साथ साथ लोकसभा चुनाव भी संपन्न हो गए।नई सरकार भी बन गई अब फिर अतिथि शिक्षक मोहन सरकार की ओर आस भरी दृष्टि से देख रहे हैं । पूर्व की घोषणाएं ही क्रियान्वित हो जाए। अतिथि शिक्षकों की मझधार में फसी नैया पार लगा सके। स्वयं अतिथि भी एक लेख की दृष्टिकोण से देखता हूं तो पाता है कि यदि सरकार चाहे तो इन अतिथि शिक्षकों को नीति बनाकर नियमित कर सकती हैं। अतिथि शिक्षक गण एवं उनके संगठन बातचीत का रास्ता खुला रखे हुए हैं। वह शासन प्रशासन से उम्मीद रखे हैं कि उनको नियमित करने हेतु निश्चित ही बहुत जल्द नीति बनेगी ईश्वर करें बरसों से कार्यरत अतिथि शिक्षकों के हितार्थ नीति बनाकर नियमितीकरण का तोहफा शासन प्रशासन शीघ्र इन बेरोजगार अतिथि शिक्षकों को प्रदान कर सके। जिससे उनके परिवार के भरण पोषण एवं लालन पालन में कहीं कोई समस्या ना हो।

उर्वरक के विकल्पों का उपयोग करें कृषक भाई

जिले में खरीफ फसलों की बोनी का कार्य प्रारंभ हो चुका है। कृषकों के द्वारा बोनी के समय आधार डोज हेतु उर्वरकों का प्रयोग क्रिया जाता है। विगत कई वर्षों से यह देखने में आया है कि किसानों द्वारा एक ही प्रकार के जैसे-यूरिया डीएपी का ही प्रयोग किया जा रहा है।

जिससे एक ही प्रकार उर्वरक के प्रति किसानों की निर्भरता बनी हुई है। किसान भाई अन्य उर्वरको जैसे-12:32:16 एवं 20:20:0:13 जैसे मिश्रित उर्वरकों का प्रयोग कर पोषक तत्वों की पूर्ति कर सकते हैं। ये मिश्रित उर्वरक समितियों एवं निजी विक्रेताओं के पास भी आसानी से उपलब्ध रहते है। किसान भाईयों को मक्का एवं धान फसल हेतु 120.60.40 के हिसाब से पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। इन पोषक तत्वों की पूर्ति करने हेतु पहले विकल्प के रूप में किसान भाई यूरिया 220 कि.ग्रा. 12:32:16-190 किग्रा एवं म्यूरेट एवं पोटाश 20 किग्रा का प्रयोग प्रति हेक्टेयर में कर सकते हैं। इसी प्रकार मक्का एवं धान फसल हेतु दूसरे विकल्प के रूप में 20:20:0:13 -150 किग्रा, सिंगल सुपर फास्फेट 18 किग्रा, यूरिया 195 किग्रा एवं म्यूरेट ऑफ पोटाश 66 कि.ग्रा का प्रयोग प्रति हेक्टेयर कर सकते है। इसी तरह अरहर फसल के लिए 20:50:20 के हिसाब से पोषक तत्वों की आवश्यकता 01 हेक्टेयर के लिए होती है। इन पोषक तत्वों की पूर्ति करने के लिए पहले विकल्प के रूप में किसान भाई 160 किग्रा एनपी के 12:32:16 उर्वरक का प्रयोग प्रति हेक्टेयर के लिए कर सकते है। अरहर फसल के लिए दूसरे विकल्प के रूप में यूरिया 44 किग्रा सिंगल सुपर फास्फेट 313 किग्रा एवं म्यूरेट ऑफ पोटाश 33 किग्रा का प्रयोग प्रति हेक्टेयर हेतु कर सकते हैं। इस प्रकार से विभिन्न उर्वरकों के विकल्पों को उपयोग करने से एक ही प्रकार के उर्वरकों पर किसान भाईयों की निर्भरता घटेगी, साथ ही साथ लागत में कमी आकर आय में वृद्धि होगी। जिला कलेक्टर सुश्री संसकृति जैन एवं उपसंचालक कृषि द्वारा किसान भाईयों से अपील है कि वे एक ही प्रकार के उर्वरकों पर निर्भर रहकर उर्वरकों के अन्य विकल्पों का प्रयोग करें।

गैस हितग्राहियों को 15 जुलाई तक केवाईसी कराना जरूरी

तेंदूखेड़ा- उज्जवला ईंधन गैस किट ग्रामीणों को 15 जुलाई तक गैस कनेक्शन का केवाईसी करना अनिवार्य है यदि समय तक केवाईसी नहीं कराया गया तो सब्सिडी का लाभ उन्हें नहीं मिल पाएगा इस संबंध में आशीर्वाद भारत गैस एजेंसी के संचालक रामकुमार ठाकुर ने बताया कि भारत सरकार के केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय के निर्देशानुसार उज्ज्वल सिलेंडर कनेक्शन के हितग्राही जिन्होंने अभी तक अपने केवाईसी नहीं कराया है उन्हें 15 जुलाई तक का समय गैस एजेंसी में द्वारा दिया गया है। 1 जुलाई से खाते में सब्सिडी आना बंद हो जाएगी यह आदेश भारत सरकार की केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा पूर्व में भी जारी किया जा चुका है । उज्वला गैस कनेक्शन धारी से निवेदन है कि 15 तारीख के पहले अपनी गैस एजेंसी संपर्क कर अपना केवाईसी पूर्ण कराएं । सुरक्षित गैस का इस्तेमाल करने के लिए आशीर्वाद भारत गैस एजेंसी के स्टॉप द्वारा घर घर जाकर सुरक्षा से संबंधित जानकारी निशुल्क दी जा रही है ओर गैस पाइप बदलने की अपील की जा रही है गैस कम्पनियो द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि 5 वर्ष पुराने उपभोक्ताओं के सुरक्षा होज (पाइप) को अनिवार्य रूप से बदलना होगा जिसमे गैस से संबंधित किसी भी दुर्घटना से बचा जा सकता है ।